लखनऊ, शनिवार 9 मई, 2026
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
समृद्धि न्यूज़

निपुण भारत मिशन से सशक्त हो रही आधारभूत शिक्षा : संदीप

लखनऊ, समृद्धि न्यूज।

बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार 'निपुण भारत मिशन' के माध्यम से बच्चों में आधारभूत साक्षरता एवं संख्यात्मक दक्षता विकसित करने के लिए प्रभावी एवं परिणाममुखी प्रयास कर रही है। प्रारंभिक शिक्षा किसी भी राष्ट्र के भविष्य की मजबूत नींव होती है और सरकार प्रत्येक बच्चे तक गुणवत्तापूर्ण, समावेशी एवं आधुनिक शिक्षा पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

मंत्री संदीप सिंह ने शुक्रवार को लखनऊ में आयोजित देवी संस्थान डिग्निटी एजुकेशन विजन इंटरनेशनल द्वारा आयोजित 'फाउंडेशनल लिटरेसी एंड न्यूमेरसी' विषयक लीडरशिप कॉन्क्लेव को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा बेसिक शिक्षा को आधुनिक एवं तकनीक आधारित बनाने के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। प्रदेश के हजारों विद्यालयों में स्मार्ट क्लास, आईसीटी लैब एवं डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना कर विद्यार्थियों को डिजिटल शिक्षण व्यवस्था से जोड़ा गया है। इससे बच्चों में सीखने की क्षमता, रचनात्मकता एवं तकनीकी दक्षता का विकास हो रहा है। 'निपुण भारत मिशन' के अंतर्गत बच्चों की भाषा, गणित एवं समझ विकसित करने के लिए नवाचार आधारित शिक्षण पद्धतियों को अपनाया जा रहा है। सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक बच्चा प्रारंभिक स्तर पर पढ़ने, लिखने और गणना करने में दक्ष बन सके। योगी सरकार शिक्षा के क्षेत्र में व्यापक सुधारों के माध्यम से नई पीढ़ी को आत्मनिर्भर एवं प्रतिस्पर्धी बनाने की दिशा में कार्य कर रही है। शिक्षा व्यवस्था में तकनीकी नवाचारों को शामिल कर विद्यार्थियों को भविष्य की चुनौतियों के अनुरूप तैयार किया जा रहा है।

संदेश वाहक

निपुण भारत मिशन से सशक्त हो रही आधारभूत शिक्षा : संदीप

- बोले मंत्री, प्रारंभिक शिक्षा किसी भी राष्ट्र के भविष्य की मजबूत नींव

संदेश वाहक ब्यूरो

लखनऊ। बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार 'निपुण भारत मिशन' के माध्यम से बच्चों में आधारभूत साक्षरता एवं संख्यात्मक दक्षता विकसित करने के लिए प्रभावी एवं परिणाममुखी प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक शिक्षा किसी भी राष्ट्र के भविष्य की मजबूत नींव होती है और सरकार प्रत्येक बच्चे तक गुणवत्तापूर्ण, समावेशी एवं आधुनिक शिक्षा पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। मंत्री संदीप सिंह शुक्रवार को लखनऊ में आयोजित देवी संस्थान (डिग्निटी एजुकेशन विजन इंटरनेशनल) द्वारा आयोजित फाउंडेशनल लिटरेसी एंड न्यूमेरसी विषयक लीडरशिप कॉन्क्लेव को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में शिक्षा क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों, शिक्षकों एवं विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा बेसिक शिक्षा को आधुनिक एवं तकनीक आधारित बनाने के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। प्रदेश के हजारों विद्यालयों में स्मार्ट क्लास, आईसीटी लैब एवं डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना कर विद्यार्थियों को डिजिटल शिक्षण व्यवस्था से जोड़ा गया है। इससे बच्चों में सीखने की क्षमता, रचनात्मकता एवं तकनीकी दक्षता का विकास हो रहा है।

बेसिक शिक्षा मंत्री ने कहा कि 'निपुण भारत मिशन' के अंतर्गत बच्चों की भाषा, गणित एवं समझ विकसित करने के लिए नवाचार आधारित शिक्षण पद्धतियों को अपनाया जा रहा है।

स्वतंत्रता की पहली किरण का साक्षी

लखनऊ, शनिवार
9 मई, 2026

लखनऊ एवं कानपुर से प्रकाशि

स्वतंत्र भारत

सीएमएस में 'लीडरशिप सर्किल-5' शैक्षिक सम्मेलन का शुभारंभ

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। सीएमएस के कानपुर रोड स्थित वर्ल्ड यूनिटी कन्वेंशन सेंटर में दो दिवसीय शैक्षिक सम्मेलन 'लीडरशिप सर्किल-5' का भव्य शुभारंभ हुआ। उद्घाटन उत्तर प्रदेश सरकार के बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद दिनेश शर्मा, एनसीईआरटी की सीईओ एवं प्रमुख पारख पार्थ सारथी सेन शर्मा, अपर मुख्य सचिव सुनीता गांधी, देवी संस्थान की संस्थापक एवं सीईओ सुनीता गांधी तथा सह-संरक्षक भारती गांधी सहित कई शिक्षा विशेषज्ञ उपस्थित रहे। देवी संस्थान के रुप एगजीक्यूटिव निक्सान जोसेफ ने देश के 18 राज्यों से आए लगभग 2500 प्रतिभागियों का स्वागत किया। सम्मेलन में अल्फा शिक्षण पद्धति, एआई आधारित हिंदी साक्षरता चैटबॉक्स और आधुनिक शिक्षण नवाचारों पर चर्चा की गई।

लखनऊ, शनिवार, 9 मई 2026

परख सच की

जनसंदेश टाइम्स

लीडरशिप सर्किल-5 का भव्य शुभारम्भ, अल्फा पद्धति से शिक्षा में सुधार पर जोर

लखनऊ (जनसंदेश टाइम्स)। सिटी मॉन्टेसरी स्कूल, कानपुर रोड स्थित वर्ल्ड यूनिटी कन्वेंशन सेंटर में आयोजित दो-दिवसीय शैक्षिक सम्मेलन लीडरशिप सर्किल-5 का शुक्रवार को भव्य शुभारम्भ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन उत्तर प्रदेश सरकार के बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) सन्दीप सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा को समाज में सकारात्मक बदलाव और मानवता में ज्ञान के प्रसार का प्रभावी माध्यम बनना चाहिए। उन्होंने विद्यालयों में अल्फा (एक्सेलरेटेड लर्निंग फॉर ऑल) शिक्षण पद्धति अपनाने पर जोर दिया। राज्यसभा सांसद डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा कि अल्फा पद्धति से फाउंडेशनल लिटरेसी एवं न्यूमेरसी कौशल में व्यापक सुधार संभव है। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी को नवाचार, वैज्ञानिक सोच और समस्या समाधान के लिए सक्षम बनाना आवश्यक है। देवी संस्थान की संस्थापक एवं कार्यक्रम संयोजिका डॉ. सुनीता गांधी ने कहा कि भारत को शिक्षा के क्षेत्र में विश्व नेतृत्व दिलाने के लिए युवाओं को आगे आना होगा। सम्मेलन में देश के 18 राज्यों से लगभग 2500 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में पैनल चर्चा, अल्फा क्लासरूम का लाइव प्रदर्शन और भारत का पहला एआई संचालित हिन्दी साक्षरता चैटबॉक्स लॉन्च आकर्षण का केंद्र रहा।

स्वतंत्र चेतना
www.swatantrachetnanews.com
लखनऊ | शनिवार | 09 मई | 2026

अल्फा शिक्षण पद्धति से फाउण्डेशनल लिटरेसी एवं न्यूमेरसी में व्यापक सुधार सम्भव: डॉ. दिनेश शर्मा

ब्यूरो प्रमुख

लखनऊ। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, कानपुर रोड स्थित वर्ल्ड यूनिटी कन्वेन्शन सेन्टर में आयोजित दो-दिवसीय शैक्षिक सम्मेलन लीडरशिप सर्किल-5ह्न का आज भव्य शुभारम्भ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) सन्दीप सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया। अपने

उद्घाटन भाषण में श्री सिंह ने कहा कि आज शिक्षा को समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने तथा सम्पूर्ण मानवता में ज्ञान का प्रकाश फैलाने का प्रभावशाली माध्यम बनना होगा। विद्यालयों को अल्फा (एक्सेलरेटेड लर्निंग फॉर ऑल) शिक्षण पद्धति एवं ह्यपाथ वे ऑफ लर्निंगह्न जैसी नवीन शिक्षण विधियों को अपनाना चाहिए, जिससे शिक्षा उद्देश्यपूर्ण, सक्रिय, परिवर्तनकारी एवं समग्र बन सके। उन्होंने देवी संस्थान की संस्थापक डॉ. सुनीता गांधी एवं उनकी पूज्य माता जी डॉ. भारती गांधी, जो इस कार्यक्रम की मुख्य संरक्षक एवं विश्व के सबसे बड़े विद्यालय सिटी मोन्टेसरी स्कूल की संस्थापक हैं, द्वारा प्रदान किये जा रहे शैक्षिक नेतृत्व की मुक्तकंठ से सराहना की। विशिष्ट अतिथि एवं राज्यसभा सांसद (उत्तर प्रदेश) डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा कि अल्फा शिक्षण पद्धति के माध्यम से फाउण्डेशनल लिटरेसी एवं न्यूमेरसी कौशल में अत्यधिक सुधार लाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि पुरानी शिक्षण पद्धतियाँ वर्तमान शताब्दी की आवश्यकताओं को पूरा नहीं कर सकतीं। आज की पीढ़ी को अपनी समस्याओं का समाधान स्वयं खोजने तथा विश्व को उपलब्धियों, प्रगति एवं नवाचार के नये युग की ओर ले जाने के लिए सक्षम बनाना होगा। वैज्ञानिक सोच के साथ-साथ कला एवं संस्कृति, कल्पनाशीलता, साहसिक पहल तथा नवाचार को भी बढ़ावा देना आवश्यक है। साथ ही, शिक्षा मूल्यपरक, बाल-केंद्रित एवं मानवीय दृष्टिकोण वाली होनी चाहिए। इससे पूर्व, देवी संस्थान के ग्रुप एग्जीक्यूटिव श्री निक्सन जोसेफ ने देश के 18 राज्यों से आये लगभग 2500 प्रतिभागियों एवं विशिष्ट अतिथियों का स्वागत किया। देवी संस्थान की संस्थापक एवं सी.ई.ओ. तथा ह्यलीडरशिप सर्किल-5ह्न की संयोजिका डॉ. सुनीता गांधी ने युवाओं से आह्वान किया कि वे भारत को शिक्षा एवं ज्ञान के क्षेत्र में विश्व का अग्रणी राष्ट्र बनाने में अपना योगदान दें। उन्होंने मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथियों एवं विभिन्न सरकारी अधिकारियों का स्वागत करते हुए कहा कि यह वैश्विक मंच शिक्षा नीतियों एवं शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन का प्रभावी साधन बनाने हेतु नई रणनीतियों पर सार्थक चर्चा का अवसर प्रदान कर रहा है। कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. सुनीता गांधी ने जानकारी दी कि पैनल चर्चाएँ कल भी जारी रहेंगी तथा कार्यक्रम का समापन सम्मान समारोह के साथ कल अपराह्न 4:00 बजे सी.एम.एस. कानपुर रोड ऑडिटोरियम में होगा।

निपुण भारत मिशन से सशक्त हो रही आधारभूत शिक्षा : संदीप सिंह

ब्यूरो प्रमुख

लखनऊ। प्रदेश के बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में लिए प्रभावी एवं परिणाममुखी प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक शिक्षा किसी भी राष्ट्र के भविष्य की मजबूत नींव होती है और सरकार प्रत्येक बच्चे तक गुणवत्तापूर्ण,

उत्तर प्रदेश सरकार ह्यनिपुण भारत मिशनह्न के माध्यम से बच्चों में आधारभूत साक्षरता एवं संख्यात्मक दक्षता विकसित करने के समावेशी एवं आधुनिक शिक्षा पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। मंत्री संदीप सिंह श-क्रवार को लखनऊ में आयोजित देवी संस्थान (डिग्निटी एजुकेशन विजन इंटरनेशनल) द्वारा आयोजित ह्यफाउंडेशनल लिटरेसी एंड न्यूमेरसी विषयक लीडरशिप कॉन्क्लेव को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में शिक्षा क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों, शिक्षकों एवं विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा बेसिक शिक्षा को आधुनिक एवं तकनीक आधारित बनाने के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। प्रदेश के हजारों विद्यालयों में स्मार्ट क्लास, आईसीटी लैब एवं डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना कर विद्यार्थियों को डिजिटल शिक्षण व्यवस्था से जोड़ा गया है। इससे बच्चों में सीखने की क्षमता, रचनात्मकता एवं तकनीकी दक्षता का विकास हो रहा है। बेसिक शिक्षा मंत्री ने कहा कि ह्यनिपुण भारत मिशनह्न के अंतर्गत बच्चों की भाषा, गणित एवं समझ विकसित करने के लिए नवाचार आधारित शिक्षण पद्धतियों को अपनाया जा रहा है। सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक बच्चा प्रारंभिक स्तर पर पढ़ने, लिखने और गणना करने में दक्ष बन सके। उन्होंने कहा कि योगी सरकार शिक्षा के क्षेत्र में व्यापक सुधारों के माध्यम से नई पीढ़ी को आत्मनिर्भर एवं प्रतिस्पर्धी बनाने की दिशा में कार्य कर रही है। शिक्षा व्यवस्था में तकनीकी नवाचारों को शामिल कर विद्यार्थियों को भविष्य की चुनौतियों के अनुरूप तैयार किया जा रहा है।

लखनऊ, शनिवार, 9 मई 2026

पायनियर

शिक्षा को बनाएं प्रभावशाली माध्यम

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

❖ सीएमएस में आयोजित दो-दिवसीय लीडरशिप सर्किल-5 का शुभारम्भ

सिटी मोन्टेसरी स्कूल, कानपुर रोड स्थित वर्ल्ड यूनिटी कन्वेन्शन सेन्टर में शुक्रवार को आयोजित दो-दिवसीय शैक्षिक सम्मेलन लीडरशिप सर्किल-5 का भव्य शुभारम्भ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री सन्दीप सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया।

अपने उद्घाटन भाषण में सन्दीप सिंह ने कहा कि आज शिक्षा को समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने तथा सम्पूर्ण मानवता में ज्ञान का प्रकाश फैलाने का प्रभावशाली माध्यम बनना होगा। विद्यालयों को अल्फा (एक्सेलरेटेड लर्निंग फॉर ऑल) शिक्षण पद्धति एवं पाथ वे ऑफ लर्निंग जैसी नवीन शिक्षण विधियों को अपनाना चाहिए। जिससे शिक्षा उद्देश्यपूर्ण, सक्रिय, परिवर्तनकारी एवं समग्र बन सके। उन्होंने देवी संस्थान की संस्थापक डॉ. सुनीता गांधी एवं उनकी पूज्य माता जी डॉ. भारती गांधी, जो इस कार्यक्रम की मुख्य संरक्षक एवं विश्व के सबसे बड़े विद्यालय सिटी मोन्टेसरी स्कूल की संस्थापक हैं, द्वारा प्रदान किये जा रहे शैक्षिक नेतृत्व की मुक्तकंठ से सराहना की। विशिष्ट अतिथि एवं राज्यसभा सांसद (उत्तर प्रदेश) डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा कि अल्फा शिक्षण पद्धति के माध्यम से फाउण्डेशनल लिटरेसी एवं न्यूमेरसी कौशल में अत्यधिक सुधार लाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि पुरानी शिक्षण पद्धतियाँ वर्तमान शताब्दी की आवश्यकताओं को पूरा नहीं कर सकतीं। आज की पीढ़ी को अपनी समस्याओं का समाधान स्वयं खोजने तथा विश्व को उपलब्धियों, प्रगति एवं नवाचार के नये युग की ओर ले जाने के लिए सक्षम बनाना होगा।

लखनऊ, शनिवार, 9 मई 2026,

DNA

लखनऊ (डीएनएन)। सीएमएस कानपुर रोड स्थित वर्ल्ड यूनिटी कन्वेन्शन सेंटर में आयोजित दो-दिवसीय शैक्षिक सम्मेलन 'लीडरशिप सर्किल-5' का भव्य शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया। कहा कि आज शिक्षा को समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने तथा सम्पूर्ण मानवता में ज्ञान का प्रकाश फैलाने का प्रभावशाली माध्यम बनना होगा। विशिष्ट अतिथि एवं राज्यसभा सांसद (उत्तर प्रदेश) डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा कि अल्फा शिक्षण पद्धति के माध्यम से फाउण्डेशनल लिटरेसी एवं न्यूमेरसी कौशल में अत्यधिक सुधार लाया जा सकता है। इससे पूर्व, देवी संस्थान के ग्रुप एग्जीक्यूटिव निक्सन जोसेफ ने देश के 18 राज्यों से आये लगभग 2500 प्रतिभागियों एवं विशिष्ट अतिथियों का स्वागत किया।

अल्फा शिक्षण पद्धति से फाउंडेशनल लिटरेसी एवं न्यूमेरसी में व्यापक सुधार संभव : डॉ. दिनेश शर्मा

खनऊ व कानपुर से एक साथ प्रकाशित वर्ष: 27 अंक : 295 लखनऊ, शनिवार 09 मई 2026 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य: 2.0

राष्ट्रीय स्वरूप

शिक्षा को बनाना होगा समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का माध्यम :संदीप सिंह

सीएमएस कानपुर रोड ऑडिटोरियम में हुआ लीडरशिप सर्किल-5 का भव्य शुभारम्भ

लखनऊ (वरिष्ठ संवाददाता)। कानपुर रोड स्थित सिटी मोन्टेसरी स्कूल के वर्ल्ड यूनिटी

कन्वेन्शन सेन्टर में आयोजित दो-दिवसीय शैक्षिक सम्मेलन लीडरशिप सर्किल-5 का शुक्रवार को भव्य शुभारम्भ हुआ। इसका उदघाटन मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया।/इस अवसर पर श्री सिंह ने कहा कि शिक्षा को समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने और सम्पूर्ण मानवता में ज्ञान का प्रकाश फैलाने का प्रभावशाली माध्यम बनना होगा। विद्यालयों को अल्फा (एक्सेलरेटेड लर्निंग फॉर ऑल) शिक्षण पद्धति एवं पाथ वे ऑफ लर्निंग जैसी नवीन शिक्षण विधियों को अपनाना चाहिए, जिससे शिक्षा उद्देश्यपूर्ण, सक्रिय, परिवर्तनकारी एवं समग्र बन सके। उन्होंने देवी संस्थान की संस्थापक डॉ. सुनीता गांधी एवं उनकी पूज्य माता डॉ. भारती गांधी, जो इस कार्यक्रम की मुख्य संरक्षक एवं विश्व के सबसे बड़े विद्यालय सिटी मोन्टेसरी स्कूल की संस्थापक हैं, द्वारा प्रदान किये जा रहे शैक्षिक नेतृत्व की मुक्तकंठ से सराहना की।

विशिष्ट अतिथि एवं राज्यसभा सांसद (उत्तर प्रदेश) डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा कि अल्फा शिक्षण पद्धति के माध्यम से फाउंडेशनल लिटरेसी एवं न्यूमेरसी कौशल में अत्यधिक सुधार लाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि पुरानी शिक्षण पद्धतियां वर्तमान शताब्दी की आवश्यकताओं को पूरा नहीं कर सकतीं।

वॉयस ऑफ लखनऊ | लखनऊ, शनिवार 09 मई, 2026

अल्फा शिक्षण पद्धति से फाउण्डेशनल लिटरेसी एवं न्यूमेरसी में व्यापक सुधार संभव : डॉ. दिनेश शर्मा

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। सीएमएस के कानपुर रोड स्थित वर्ल्ड यूनिटी कन्वेन्शन सेन्टर में आयोजित दो-दिवसीय शैक्षिक सम्मेलन लीडरशिप सर्किल-5 का शुक्रवार को शुभारम्भ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया। अपने उद्घाटन भाषण में संदीप सिंह ने कहा कि आज शिक्षा को समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने तथा सम्पूर्ण मानवता में ज्ञान का प्रकाश फैलाने का प्रभावशाली माध्यम बनना होगा। विद्यालयों को अल्फा (एक्सेलरेटेड लर्निंग फॉर ऑल) शिक्षण पद्धति एवं पाथ वे ऑफ लर्निंग जैसी नवीन शिक्षण विधियों को अपनाना चाहिए, जिससे शिक्षा उद्देश्यपूर्ण, सक्रिय, परिवर्तनकारी एवं समग्र बन सके। उन्होंने देवी संस्थान की संस्थापक डॉ. सुनीता गांधी एवं उनकी माता डॉ. भारती गांधी, जो इस कार्यक्रम की मुख्य संरक्षक एवं सीएमएस की संस्थापक हैं, द्वारा प्रदान किये जा रहे शैक्षिक नेतृत्व की सराहना की।

विशिष्ट अतिथि एवं राज्यसभा सांसद (उत्तर प्रदेश)

डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा कि अल्फा शिक्षण पद्धति के माध्यम से फाउण्डेशनल लिटरेसी एवं न्यूमेरसी कौशल में अत्यधिक सुधार लाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि पुरानी शिक्षण पद्धतियां वर्तमान शताब्दी की आवश्यकताओं को पूरा नहीं कर सकतीं। आज की पीढ़ी को अपनी समस्याओं का समाधान स्वयं खोजने तथा विश्व को उपलब्धियों, प्रगति एवं नवाचार के नये युग की ओर ले जाने के लिए सक्षम बनाना होगा। वैज्ञानिक सोच के साथ-साथ कला एवं संस्कृति, कल्पनाशीलता, साहसिक पहल तथा नवाचार को भी बढ़ावा देना आवश्यक है। साथ ही, शिक्षा मूल्यपरक, बाल-केंद्रित एवं मानवीय दृष्टिकोण वाली होनी चाहिए।

लखनऊ, 9 मई, 2026

अल्फा शिक्षण पद्धति से न्यूमेरसी में व्यापक सुधार सम्भव- डॉ. दिनेश शर्मा

लखनऊ। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, कानपुर रोड स्थित वर्ल्ड यूनिटी कन्वेन्शन सेन्टर में आयोजित दो-दिवसीय शैक्षिक सम्मेलन 'लीडरशिप सर्किल-5' का आज भव्य शुभारम्भ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) सन्दीप सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया। अपने उद्घाटन भाषण में श्री सिंह ने कहा कि आज शिक्षा को समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने तथा सम्पूर्ण मानवता में ज्ञान का प्रकाश फैलाने का प्रभावशाली माध्यम बनना होगा। विद्यालयों को अल्फा (एक्सेलरेटेड लर्निंग फॉर ऑल) शिक्षण पद्धति एवं 'पाथ वे ऑफ लर्निंग' जैसी नवीन शिक्षण विधियों को अपनाना चाहिए। विशिष्ट अतिथि एवं राज्यसभा सांसद (उत्तर प्रदेश) डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा कि अल्फा शिक्षण पद्धति के माध्यम से-फाउण्डेशनल लिटरेसी एवं न्यूमेरसी कौशल में अत्यधिक सुधार लाया जा सकता है।

निपुण भारत मिशन से सशक्त हो रही आधारभूत शिक्षा- संदीप

'निपुण' लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रहा उत्तर प्रदेश

लखनऊ। बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार 'निपुण भारत मिशन' के माध्यम से बच्चों में आधारभूत साक्षरता एवं संख्यात्मक दक्षता विकसित करने के लिए प्रभावी एवं परिणाममुखी प्रयास कर रही है। प्रारंभिक शिक्षा किसी भी राष्ट्र के भविष्य की मजबूत नींव होती है और सरकार प्रत्येक बच्चे तक गुणवत्तापूर्ण, समावेशी एवं आधुनिक शिक्षा पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।मंत्री संदीप सिंह शुक्रवार को लखनऊ में आयोजित देवी संस्थान डिग्निटी एजुकेशन विजन इंटरनेशनल द्वारा आयोजित 'फाउंडेशनल लिटरेसी एंड न्यूमेरसी' विषयक लीडरशिप कॉन्क्लेव को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में शिक्षा क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों, शिक्षकों एवं विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। प्रदेश सरकार द्वारा बेसिक शिक्षा को आधुनिक एवं तकनीक आधारित बनाने के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। प्रदेश के हजारों विद्यालयों में स्मार्ट क्लास, आईसीटी लैब एवं डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना कर विद्यार्थियों को डिजिटल शिक्षण व्यवस्था से जोड़ा गया है। इससे बच्चों में सीखने की क्षमता, रचनात्मकता एवं तकनीकी दक्षता का विकास हो रहा है। 'निपुण भारत मिशन' के अंतर्गत बच्चों की भाषा, गणित एवं समझ विकसित करने के लिए नवाचार आधारित शिक्षण पद्धतियों को अपनाया जा रहा है। सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक बच्चा प्रारंभिक स्तर पर पढ़ने, लिखने और गणना करने में दक्ष बन सके। योगी सरकार शिक्षा के क्षेत्र में व्यापक सुधारों के माध्यम से नई पीढ़ी को आत्मनिर्भर एवं प्रतिस्पर्धी बनाने की दिशा में कार्य कर रही है। शिक्षा व्यवस्था में तकनीकी नवाचारों को शामिल कर विद्यार्थियों को भविष्य की चुनौतियों के अनुरूप तैयार किया जा रहा है।

नवभारत टाइम्स
शनिवार, 9 मई 2026

'शिक्षा को प्रभावी माध्यम बनना होगा'

■ NBT न्यूज,लखनऊ : सिटी मॉन्टेसरी स्कूल, कानपुर रोड के ऑडिटोरियम में शुक्रवार को दो-दिवसीय शैक्षिक सम्मेलन 'लीडरशिप सर्किल-5' का शुभारंभ हुआ। बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री संदीप सिंह ने कार्यक्रम का उद्घाटन कर कहा कि बदलाव के लिए शिक्षा को प्रभावी माध्यम बनना होगा। विद्यालय 'अल्फा' (एक्सेलरेलेटेड लर्निंग फॉर ऑल) जैसी नई पद्धतियां अपनाएं। राज्यसभा सांसद डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा कि 'अल्फा' से बुनियादी साक्षरता व संख्या ज्ञान में क्रांतिकारी सुधार होगा। इस दौरान देश का पहला एआई संचालित हिंदी साक्षरता चैटबॉट भी लॉन्च हुआ। मौके पर डॉ. सुनीता गांधी, आईएएस पार्थ सारथी सेन शर्मा और NCERT की प्रो. इंद्राणी भादुड़ी मौजूद थी। इस दौरान सरकारी स्कूल के बच्चों ने 'अल्फा क्लासरूम' का लाइव डेमो दिया।

हिन्दुस्तान
शनिवार
9 मई 2026,
भरोसा नए हिन्दुस्तान का

शिक्षा में विज्ञान व कला दोनों जरूरी

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता। सीएमएस कानपुर रोड स्थित वर्ल्ड यूनिटी कन्वेन्शन सेन्टर में आयोजित दो-दिवसीय शैक्षिक सम्मेलन लीडरशिप सर्किल-5 का शुक्रवार को आगाज हुआ। बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) सन्दीप सिंह ने सम्मेलन का उदघाटन किया।

उन्होंने कहा कि आज शिक्षा को समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने तथा सम्पूर्ण मानवता में ज्ञान का प्रकाश फैलाने का प्रभावशाली माध्यम बनना होगा। स्कूल एक्सेलरेटेड लर्निंग फॉर ऑल शिक्षण पद्धति एवं पाथ वे ऑफ लर्निंग आदि नवीन शिक्षण विधियां अपना कर शिक्षा को उद्देश्यपूर्ण, सक्रिय, परिवर्तनकारी बन सके। राज्यसभा डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा कि अल्फा शिक्षण पद्धति से फाउण्डेशनल लिटरेसी एवं न्यूमेरसी में व्यापक सुधार सम्भव है। वैज्ञानिक सोच के साथ कला एवं संस्कृति, साहसिक पहल को भी बढ़ावा देना आवश्यक है। देवी संस्थान की संस्थापक एवं सीईओ एवं लीडरशिप सर्किल-5 की संयोजिका डॉ. सुनीता गांधी ने युवाओं से आह्वान किया कि वे भारत को शिक्षा एवं ज्ञान के क्षेत्र में अग्रणी राष्ट्र बनाने में योगदान दें। शिक्षा मंत्रालय की प्रो. इन्द्राणी भादुड़ी, अपर मुख्य सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा, सीएमएस संस्थापिका डॉ. भारती गांधी ने विचार रखे।

■ सीएमएस में सम्मेलन का उद्घाटन हुआ

सीएमएस में बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) सन्दीप सिंह बच्चों संग मस्ती करते हुए।

मोहन धारा "हिन्दी दैनिक" शनिवार, 09 मई 2026

सी.एम.एस. कानपुर रोड ऑडिटोरियम में आयोजित

अल्फा शिक्षण पद्धति से फाउण्डेशनल लिटरेसी एवं न्यूमेरसी में व्यापक सुधार सम्भव : डा. दिनेश शर्मा, सांसद, राज्यसभा

मोहन धारा संवाददाता

लखनऊ। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, कानपुर रोड स्थित वर्ल्ड यूनिटी कन्वेंशन सेन्टर में आयोजित दो–दिवसीय शैक्षिक सम्मेलन 'लीडरशिप सर्किल–5' का आज भव्य शुभारम्भ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री सन्दीप सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया। अपने उद्घाटन भाषण में श्री सिंह ने कहा कि आज शिक्षा को समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने तथा सम्पूर्ण मानवता में ज्ञान का प्रकाश फैलाने का प्रभावशाली माध्यम बनना होगा। विद्यालयों को अल्फा (एक्सेलरेटेड लर्निंग फॉर ऑल) शिक्षण पद्धति एवं 'पाथ वे ऑफ लर्निंग' जैसी नवीन शिक्षण विधियों को अपनाना चाहिए, जिससे शिक्षा उद्देश्यपूर्ण, सक्रिय, परिवर्तनकारी एवं समग्र बन सके। उन्होंने देवी

संस्थान की संस्थापक डॉ. सुनीता गांधी एवं उनकी पूज्य माता जी डॉ. भारती गांधी, जो इस कार्यक्रम की मुख्य संरक्षक एवं विश्व के सबसे बड़े विद्यालय सिटी मोन्टेसरी स्कूल की संस्थापक हैं, द्वारा प्रदान किये जा रहे शैक्षिक नेतृत्व की मुक्तकंठ से सराहना की।

विशिष्ट अतिथि एवं राज्यसभा सांसद (उत्तर प्रदेश) डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा कि अल्फा शिक्षण पद्धति के माध्यम से फाउण्डेशनल लिटरेसी एवं न्यूमेरसी कौशल में अत्यधिक सुधार लाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि पुरानी शिक्षण पद्धतियाँ वर्तमान शताब्दी की आवश्यकताओं को पूरा नहीं कर सकतीं। आज की पीढ़ी को अपनी समस्याओं का समाधान स्वयं खोजने तथा विश्व को उपलब्धियों, प्रगति एवं नवाचार के नये युग की ओर ले जाने के लिए सक्षम बनाना होगा। वैज्ञानिक सोच के साथ–साथ कला एवं संस्कृति, कल्पनाशीलता, साहसिक पहल तथा नवाचार को भी बढ़ावा देना आवश्यक है। साथ ही, शिक्षा मूल्यपरक, बाल–केंद्रित एवं मानवीय दृष्टिकोण वाली होनी चाहिए। इससे पूर्व, देवी संस्थान के ग्रुप एग्जीक्यूटिव श्री निक्सन जोसेफ ने देश के 18 राज्यों से आये लगभग 2500 प्रतिभागियों एवं विशिष्ट अतिथियों का स्वागत किया। देवी संस्थान की संस्थापक एवं सी.ई.ओ. तथा 'लीडरशिप सर्किल–5' की संयोजिका डॉ. सुनीता गांधी ने युवाओं से आह्वान किया कि वे भारत को शिक्षा एवं ज्ञान के क्षेत्र में विश्व का अग्रणी राष्ट्र बनाने में अपना योगदान दें। उन्होंने मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथियों एवं विभिन्न सरकारी अधिकारियों का स्वागत करते हुए कहा कि यह वैश्विक मंच शिक्षा नीतियों एवं शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन का प्रभावी साधन बनाने हेतु नई रणनीतियों पर सार्थक चर्चा का अवसर प्रदान कर रहा है। कार्यक्रम में शैक्षिक पद्धतियों, सरकारी साझेदारी एवं नीतियों से जुड़े विभिन्न विषयों पर पैनल चर्चा आयोजित हुई। इसके पश्चात अल्फा 'हैण्ड्स–ऑन क्लैप एंड स्नैप एक्टिविटी' आयोजित की गई, जिसका सभी प्रतिभागियों ने भरपूर आनंद लिया। साथ ही, अल्फा 'वर्चुअल क्लासरूम' का सजीव प्रदर्शन भी किया गया, जिसमें सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों द्वारा मंच पर लाइव डेमो प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण भारत का पहला ए.आई. संचालित हिन्दी साक्षरता चौटबॉक्स लॉन्च रहा।

स्वतंत्र चेतना
www.swatantrachetnanews.com
लखनऊ। रविवार। 10 मई 2026

अच्छी शिक्षा दुनिया का सबसे अच्छा निवेश है : डॉ जोसेफ इमानुएल

ब्यूरो प्रमुख

लखनऊ। एजुकेशन की क्वालिटी से कभी समझौता नहीं किया जा सकता। नहीं तो, स्टूडेंट्स की पूरी पीढ़ी पर असर पड़ेगा। ऊश्क संस्थान की फ़ाउंडर-डायरेक्टर डॉ सुनीता गांधी एजुकेशनल लिटरेसी और न्यूमरेसी को भारत के कोने-कोने और उससे भी आगे तक ले जाने में बहुत अच्छा काम कर रही हैं, ताकि देश टैलेंटेड युवाओं की सुनहरी फसल काट सके। वह एजुकेशन की क्वालिटी में सुधार करके उन्हें आज और आने वाली सदियों की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार कर रही हैं, जिससे यह पहले से कहीं ज्यादा प्रभावी, एक्टिव, बदलाव लाने वाली और होलिस्टिक शिक्षा हो। नई अछाअ टेक्नीक ने सोच में पूरा बदलाव लाया है और बच्चों के साथ-साथ बड़ों के मन में भी ज्ञान की प्यास पैदा की है। अब कोई भी बच्चा पीछे नहीं रहेगा और हर बच्चे को स्कूल जाने और अच्छी क्वालिटी की एजुकेशन पाने का मौका मिलेगा ह्व ये कुछ विचार थे डॉ. जोसेफ इमैनुएल, चीफ एग्जीक्यूटिव और सेक्रेटरी, काउंसिल फॉर द इंडियन स्कूल

सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन्स (सी.आई.सी.एस.ई.), नई दिल्ली ने कहे। डॉ. इमैनुएल सी.एम.एस. कानपुर रोड ऑडिटोरियम में हुए लीडरशिप सर्कल 5 एजुकेशनल मीट के दूसरे दिन चीफ गेस्ट के तौर पर बोल रहे थे। यह इवेंट भारत के लखनऊ में मौजूद एक नॉन-प्रॉफिट ऑर्गनाइजेशन, ऊश्क संस्थान की फाउंडर डॉ. सुनीता गांधी ने ऑर्गनाइज किया था। इससे पहले, देवी संस्थान के ग्रुप एग्जीक्यूटिव, निक्सन जोसेफ ने दर्शकों का अभिवादन किया और इस शानदार सभा के दूसरे दिन उनका स्वागत किया। ऊश्क के तऱक्की की दहलीज पर सफर का एक वीडियो दिखाया गया। इडळ ब्लॉक के सोरवा कक के सरकारी स्कूल में अछाअ के लाइव डेमोंस्ट्रेशन से प्रोग्राम के अंदर का नजारा दिखाया गया और यह भी दिखाया गया कि बच्चे इस अनोखी टीचिंग पेडागॉजी से कितनी जल्दी सीखते हैं। पंकज चौधरी वित्त राज्य मंत्री इस कॉन्फ्रेंस में एक सम्मानित अतिथि थे। उनकी गरिमामयी उपस्थिति और ज्ञान की बातों ने भाग लेने वालों को बहुत प्रेरित किया। आलोक रंजन, IAS (रिटायर्ड), वढ सरकार के पूर्व चीफ सेक्रेटरी, भी मौजूद थे और उन्होंने इस फंक्शन की खूब तारीफ की और इस शानदार कॉन्फ्रेंस को ऑर्गनाइज करने के पीछे के विचार की भी । उन्होंने कहा कि लिटरेसी का तोहफा इंसानियत के लिए सबसे बड़ा तोहफा है, क्योंकि यह टीचर और शिष्य को बेहतर बनाता है और यह सर्वशक्तिमान ईश्वर की असली पूजा है। संस्थान की फाउंडर डॉ. सुनीता गांधी ने खास मेहमानों, सरकारी अधिकारियों और हिस्सा लेने वालों को उनके सहयोग और योगदान से प्रोग्राम को सफल बनाने के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि यह एजुकेशनल रिसर्च और ट्रेनिंग को बढ़ाने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है।

स्पष्ट आवाज़
लखनऊ, रविवार, 10 मई, 2026

अच्छी शिक्षा दुनिया का सबसे अच्छा निवेश है: डॉ जोसेफ

लखनऊ। एजुकेशन की क्वालिटी से कभी समझौता नहीं किया जा सकता। नहीं तो स्टूडेंट्स की पूरी पीढ़ी पर असर पड़ेगा। देवी संस्थान की फाउंडर-डायरेक्टर डॉ सुनीता गांधी एजुकेशनल लिटरेसी और न्यूमरेसी को भारत के कोने-कोने और उससे भी आगे तक ले जाने में बहुत अच्छा काम कर रही हैं, ताकि देश टैलेंटेड युवाओं की सुनहरी फसल काट सके। वह एजुकेशन की क्वालिटी में सुधार करके उन्हें आज और आने वाली सदियों की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार कर रही हैं, जिससे यह पहले से कहीं ज्यादा प्रभावी, एक्टिव, बदलाव लाने वाली और होलिस्टिक शिक्षा हो। नई एआई टेक्नीक ने सोच में पूरा बदलाव लाया है और बच्चों के साथ बड़ों के मन में भी ज्ञान की प्यास पैदा की है। जोसेफ इमैनुएल चीफ एग्जीक्यूटिव और सेक्रेटरी काउंसिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन्स सी.आई.सी.एस.ई नई दिल्ली ने कहा अब कोई भी बच्चा पीछे नहीं रहेगा और हर बच्चे को स्कूल जाने और अच्छी क्वालिटी की एजुकेशन पाने का मौका मिलेगा। डॉ. इमैनुएल एजुकेशनल मीट के दूसरे दिन के चीफ गेस्ट थे। यह इवेंट भारत के लखनऊ में मौजूद एक नॉन-प्रॉफिट ऑर्गनाइज़ेशन देवी संस्थान की फाउंडर डॉ. सुनीता गांधी ने ऑर्गनाइज़ किया था।

सोमवार, 11 मई 2026

नवभारत टाइम्स

'अल्फा' जैसी शिक्षण पद्धति अपनाने पर जोर

■ **NBT रिपोर्ट, लखनऊ :** दो दिवसीय 'लीडरशिप सर्कल' सम्मेलन रविवार को सीएमएस कानपुर रोड में संपन्न हुआ। देश के 18 राज्यों से आए शिक्षाविदों ने हर बच्चे के लिए आधारभूत साक्षरता व संख्यात्मक ज्ञान (FLN) अनिवार्य करने का संकल्प लिया। मुख्य अतिथि केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने 'अल्फा' जैसी नवाचारी शिक्षण पद्धति अपनाने पर जोर दिया। CISCE के सीईओ डॉ. जोसेफ इमैनुएल ने कहा कि देवी संस्थान की 'अल्फा' पद्धति 45 दिन में बच्चों की सीखने की क्षमता बढ़ाती है और 'निपुण भारत मिशन' के लिए मील का पत्थर है।

सोमवार
11 मई 2026,

हिन्दुस्तान

भरोसा नए हिन्दुस्तान का

, विक्रम सम्वत् 2083, लखनऊ

सीएमएस के लीडरशिप सर्कल सम्मेलन में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी मौजूद रहे।

'बच्चों के लिए आधारभूत कौशल अनिवार्य हो'

लखनऊ। सीएमएस में चल रहा दो-दिवसीय लीडरशिप सर्कल सम्मेलन देश के प्रत्येक बच्चे को आधारभूत साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान से सशक्त बनाने की रणनीतियों एवं संकल्प के साथ खत्म हुआ। मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कहा, साक्षरता एवं संख्यात्मक कौशल आजीवन शिक्षा की महत्वपूर्ण नींव हैं। सीआईएससीई बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, डॉ. जोसेफ इमैनुएल, देवी संस्थान के ग्रुप एग्जीक्यूटिव निक्सन जोसेफ, संस्थापिका डॉ. सुनीता गांधी रहीं।

दैनिक जागरण

Lucknow, Monday,
11 May 2026

Agra • Bareilly • Dehradun • Gora

inext

बच्चे के लिए आधारभूत कौशल अनिवार्य हो

LUCKNOW (10 May): दो-दिवसीय लीडरशिप सर्कल सम्मेलन का समापन भारत के प्रत्येक बच्चे को आधारभूत साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान से सशक्त बनाने की रणनीतियों एवं संकल्प के साथ सम्पन्न हुआ. इस अवसर पर मुख्य अतिथि पंकज चौधरी, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एवं भारत सरकार के वित्त राज्य मंत्री एवं विशिष्ट अतिथि डा. जोसेफ इमैनुएल, सीआईएससीई बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मौजूद रहे. मुख्य अतिथि ने कहा कि साक्षरता एवं संख्यात्मक कौशल आजीवन शिक्षा की सबसे महत्वपूर्ण नींव हैं. इस सम्मेलन में देश के 18 राज्यों एवं केन्द्रशासित प्रदेशों से 2000 से अधिक शिक्षाविदों ने प्रतिभाग किया.

वॉयस ऑफ लखनऊ | लखनऊ, सोमवार 11 मई, 2026

हर बच्चे के लिए आधारभूत कौशल अनिवार्य होना चाहिए

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। दो-दिवसीय लीडरशिप सर्कल सम्मेलन का समापन भारत के प्रत्येक बच्चे को आधारभूत साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान से सशक्त बनाने की रणनीतियों एवं संकल्प के साथ सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि पंकज चौधरी, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं भारत सरकार के वित्त राज्य मंत्री एवं विशिष्ट अतिथि डा. जोसेफ इमैनुएल, सी.आई.एस.सी.ई. बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने अपनी उपस्थिति से सम्मेलन की गरिमा को बढ़ाया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि पंकज चौधरी ने लीडरशिप सर्कल की भूरि-भूरि प्रशंसा की और देवी संस्थान द्वारा अपनायी जा रही शिक्षण पद्धति का देखा। अपने संबोधन में पंकज चौधरी ने छोटे बच्चों से आत्मीय संवाद करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया और कहा कि साक्षरता एवं संख्यात्मक कौशल आजीवन शिक्षा की सबसे महत्वपूर्ण नींव हैं तथा एक्सीलरेटिंग लर्निंग फॉर ऑल (अल्फा) पद्धति तीव्र एवं समग्र शिक्षा प्रदान करने वाली अभिनव शिक्षण प्रणाली है।

बता दें कि इस सम्मेलन में देश के 18 राज्यों एवं केन्द्रशासित प्रदेशों से 2000 से अधिक शिक्षाविदों ने प्रतिभाग किया। सम्मेलन ने आधारभूत कौशलों के महत्व के प्रति व्यापक जनजागरूकता उत्पन्न की, जो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने से पूर्व अत्यंत आवश्यक हैं।

सम्मेलन में अल्फा शिक्षा पद्धति पर गहन चर्चा एवं विचार-विमर्श हुआ, जिसके माध्यम से छोटे बच्चों की सीखने की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई।

दैनिक भास्कर
सोमवार, 11 मई 2026

प्रत्येक बच्चे के लिए आधारभूत कौशल अनिवार्य होना चाहिए

लखनऊ। दो-दिवसीय लीडरशिप सर्कल सम्मेलन का समापन भारत के प्रत्येक बच्चे को आधारभूत साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान से सशक्त बनाने की रणनीतियों एवं संकल्प के साथ सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री पंकज चौधरी, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एवं भारत सरकार के वित्त राज्य मंत्री एवं विशिष्ट अतिथि डा. जोसेफ इमैनुएल, सी.आई.एस.सी.ई. बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से सम्मेलन की गरिमा को बढ़ाया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री पंकज चौधरी ने लीडरशिप सर्कल की भूरि-भूरि प्रशंसा की और देवी संस्थान द्वारा अपनाई जा रही शिक्षण पद्धति का अवलोकन किया। अपने संबोधन में श्री चौधरी ने छोटे बच्चों से आत्मीय संवाद करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया और कहा कि साक्षरता एवं संख्यात्मक कौशल आजीवन शिक्षा की सबसे महत्वपूर्ण नींव हैं तथा 'एक्सीलरेटिंग लर्निंग फॉर ऑल' (अल्फा) पद्धति तीव्र एवं समग्र शिक्षा प्रदान करने वाली अभिनव शिक्षण प्रणाली है।

स्पष्ट आवाज़

लखनऊ, सोमवार, 11 मई, 2026

प्रत्येक बच्चे के लिए आधारभूत कौशल अनिवार्य होना चाहिए

लखनऊ। दो-दिवसीय लीडरशिप सर्कल सम्मेलन का समापन भारत के प्रत्येक बच्चे को आधारभूत साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान से सशक्त बनाने की रणनीतियों एवं संकल्प के साथ सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि पंकज चौधरी प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एवं भारत सरकार के वित्त राज्य मंत्री एवं विशिष्ट अतिथि डा. जोसेफ इमैनुएल सीआईएससीई बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने अपनी उपस्थिति से सम्मेलन की गरिमा को बढ़ाया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि पंकज चौधरी ने लीडरशिप सर्कल की प्रशंसा की और देवी संस्थान द्वारा अपनाई जा रही शिक्षण पद्धति का अवलोकन करते हुए श्री चौधरी ने छोटे बच्चों से आत्मीय संवाद करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया और कहा कि साक्षरता एवं संख्यात्मक कौशल आजीवन शिक्षा की सबसे महत्वपूर्ण नींव है तथा 'एक्सीलरेटिंग लर्निंग फॉर ऑल (अल्फा) पद्धति तीव्र एवं समग्र शिक्षा प्रदान करने वाली अभिनव शिक्षण प्रणाली है। उल्लेखनीय है कि इस सम्मेलन में देश के 18 राज्यों एवं केन्द्रशासित प्रदेशों से 2000 से अधिक शिक्षाविदों ने प्रतिभाग किया। सम्मेलन ने आधारभूत कौशलों के महत्व के प्रति व्यापक जनजागरूकता उत्पन्न की, जो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने से पूर्व अत्यंत आवश्यक हैं। सम्मेलन में अल्फा शिक्षा पद्धति पर गहन चर्चा एवं विचार-विमर्श हुआ, जिसके माध्यम से छोटे बच्चों की सीखने की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई। इससे पूर्व देवी संस्थान के ग्रुप एग्जीक्यूटिव निक्सन जोसेफ ने सभी गणमान्य अतिथियों का हार्दिक स्वागत किया तथा लीडरशिप सर्कल के उद्देश्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा अल्फा पद्धति के माध्यम से बच्चे अर्थपूर्ण ढंग से पढ़ना सीखते हैं तथा कठिन विषयों को बड़ी सरलता से समझ लेते हैं।

लखनऊ व कानपुर से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 27 अंक : 297 लखनऊ, सोमवार 11 मई 2026 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य :

राष्ट्रीय स्वरू

लीडरशिप सर्कल में 18 राज्यों एवं केन्द्रशासित प्रदेशों की प्रतिबद्धता

स्वरूप ब्यूरो

लखनऊ। दो-दिवसीय लीडरशिप सर्कल सम्मेलन का समापन भारत के प्रत्येक बच्चे को आधारभूत साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान से सशक्त बनाने की रणनीतियों एवं संकल्प के साथ सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य

प्रत्येक बच्चे के लिए आधारभूत कौशल अनिवार्य होना चाहिए

अतिथि प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी एवं विशिष्ट अतिथि डा. जोसेफ इमैनुएल सी.आई.एस.सी.ई. बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मौजूद रहे। मुख्य अतिथि पंकज चौधरी ने लीडरशिप सर्कल की भूरि-भूरि प्रशंसा की और देवी संस्थान द्वारा अपनाई जा रही शिक्षण पद्धति का अवलोकन किया। श्री चौधरी ने छोटे बच्चों से आत्मीय संवाद करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया और कहा कि साक्षरता एवं संख्यात्मक कौशल आजीवन शिक्षा की सबसे महत्वपूर्ण नींव हैं तथा 'एक्सीलरेटिंग लर्निंग फॉर ऑल' (अल्फा) पद्धति तीव्र एवं समग्र शिक्षा प्रदान करने वाली

अभिनव शिक्षण प्रणाली है। उल्लेखनीय है कि इस सम्मेलन में देश के 18 राज्यों एवं केन्द्रशासित प्रदेशों से 2000 से अधिक शिक्षाविदों ने प्रतिभाग किया। सम्मेलन ने आधारभूत कौशलों के महत्व के प्रति व्यापक जनजागरूकता उत्पन्न की, जो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने से पूर्व अत्यंत आवश्यक हैं। सम्मेलन में अल्फा शिक्षा पद्धति पर गहन चर्चा एवं विचार-विमर्श हुआ, जिसके माध्यम से छोटे बच्चों की सीखने की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई। देवी संस्थान के ग्रुप एग्जीक्यूटिव निक्सन जोसेफ ने लीडरशिप सर्कल के उद्देश्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि अल्फा पद्धति के माध्यम से बच्चे अर्थपूर्ण ढंग से पढ़ना सीखते हैं तथा कठिन विषयों को भी बड़ी सरलता से समझ लेते हैं।

THE TIMES OF INDIA

LUCKNOW | MONDAY, MAY 11, 2026

INDIA'S LARGEST ENGLISH NEWSPAPER

'Literacy key for lifelong learning'

UP BJP chief Pankaj Chaudhary speaking at an event

Lucknow: Literacy and numeracy skills are the most important foundation for lifelong learning, UP BJP president Pankaj Chaudhary said on Sunday.

Speaking at Leadership Circle Conference, Chaudhary said 'Accelerating Learning for All' (ALfA) pedagogy is fast and holistic. The conference concluded with strategies and the resolve to make every child in India foundationally literate and numerate.

Nixon Joseph, group executive of DEVI Sansthan, said through ALfA pedagogy, children understand difficult subjects with great ease. Joseph Emmanuel, chief executive of CISCE, said quality of education could never be compromised. TNN